रेडियो तंरगें और स्वास्थ्य

मोबाइल फ़ोन

मोबाइल टेलीफ़ोन, मोबाइल नेटवर्क के साथ सम्पर्क करते समय कम स्तर की रेडियो तंरगें प्रेषित करते हैं। उनसे होने वाला रेडियो तरंगों का अधिकतम प्रभाव निर्धारित सुरक्षा सीमा के नीचे रहता है।

मोबाईल टेलीफोन मोबाइल टेलीफोन नेटवर्क के बेस स्टेशनों के साथ सम्पर्क करते समय रेडियो तंरगें भेजती और प्राप्त करती हैं। ये रेडियो तंरगें उसी प्रकार की होती हैं जो रेडियो और टेलिविज़न के प्रसारण में तथा रेडियो संचार में प्रयुक्त होती हैं जिसका प्रयोग पुलिस, एयर ट्रैफिक, शिपिंग और परिवहन कम्पनियों द्वारा कई वर्षों से किया जा रहा है।

मोबाइल फोन से आउटपुट पावर (विद्युत) बहुत हल्की होती है। हाथ में पकड़े जाने वाले डिजिटल मोबाइल फोन का अधिकतम पावर स्तर 2.25 वाट है। हालांकि कुछ जी एस एम/जी पी आर एस डेटा कनेक्शनों में 0.5 वाट तक की पावर हो सकती है।

मोबाइल फोन हर समय रेडियो तंरगें प्रेषित नहीं करते। जब फोन स्टैंड–बाइ मोड में रहता है तो कभी–कभार ही सिगनल भेजे जाते हैं और जब फोन बन्द रहता है तो कोई सिगनल प्रेषित नहीं होते।

स्वतंत्र विशेषज्ञ संगठनों ने अनेक वर्षों के अनुसंधान के आधार पर रेडियो तंरगों के प्रभाव की सीमाएं निर्धारित की हैं, इन सीमाओं में बड़े सुरक्षा मार्जिन शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यु एच ओ) तथा अन्य संस्थाओं ने रेडियो तंरगों के प्रभाव की सीमाओं के संबंध में सिफारिशें की हैं जिन्हें राष्ट्रीय प्राधिकरणों ने स्वीकार किया है।

उपलब्ध वैज्ञानिक प्रमाणों से कहीं ऐसा संकेत नहीं मिलता कि मोबाइल फोन का प्रयोग करने से स्वास्थ्य के लिए कोई समस्याएं पैदा होती हैं। फिर भी मनुष्यों पर रेडियो तंरगों के संभावित प्रभाव संबंधी ज्ञान को बढ़ाने के प्रयास में अनुसंधान चल रहा है। एरिकसन और साथ में अन्य कम्पनियां इस क्षेत्र में स्वतंत्र अनुसंधान का समर्थन करती हैं।

मोबाइल फोन के सभी मॉडल इस प्रकार डिज़ाइन किये गये हैं और उनकी इस प्रकार जांच की गयी है ताकि वे रेडियो आवृत्ति (फ्रीक्वेंसी) से संबंधित सुरक्षा मानकों तथा सरकारी विनियमों के अनुरूप हों।

रेडियो तंरगों के प्रभाव व उनके मापे गये अधिकतम स्तर की जानकारी सभी मोबाइल फोन उत्पादों के साथ दी जाती है। हालांकि प्रभाव (एक्सपोज़र) के अधिकतम स्तर का यह अर्थ नहीं है कि सामान्य रूप से उसके प्रयोग के समय स्तर वही रहता है। वास्तविक स्थिति में, एक मोबाइल टेलीफोन उतनी ही पावर का उपयोग करता है जितनी पावर मोबाइल नेटवर्क के साथ सम्पर्क करने के लिए आवश्यक होती है।

हैन्ड्सफ्री उपकरण उपभोक्ता को उसकी सुविधा के लिए, बिना हाथ में पकड़े फोन का इस्तेमाल करने के लिए ही दिया जाता है, सुरक्षा के कारणों के लिए नहीं। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बारे में चिन्तित हो तो वह रेडियो तंरग के प्रभाव को सीमित करने के लिए हैन्ड्सफ्री उपकरण का प्रयोग करके मोबाइल फोन को सिर और शरीर से दूर रख सकता है।

अधिक जानकारी के लिए देखें

http://www.ericsson.com/health.

ERICSSON

HI/LZT 123 8004 R1
© Telefonaktiebolaget LM Ericsson 2005